बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -26 - 12- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज काल के बारे में अध्ययन करेंगे ।

वर्तमान काल - वर्तमानकाल अर्थात वह समय जो चल रहा है। क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान समय में होने का पती । चले, उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे-पिता जी समाचार सुन रहे हैं। छात्र पढ़ रहे हैं। वर्तमान काल के तीन उपभेद हैं–

- सामान्य वर्तमान
- अपूर्ण वर्तमान
- संदिग्ध वर्तमान

(i) सामान्य वर्तमान काल - जो क्रिया वर्तमान में सामान्य रूप से होती है। वह सामान्य वर्तमान काल की क्रिया कहलाती है। जैसे

- दादी माला जपती है।
- बच्चा दूध पीता है।

(ii) अपूर्ण वर्तमान काल - क्रिया के जिस रूप से जाना जाए कि काम अभी चल रहा है, उसे अपूर्ण वर्तमानकाल कहते हैं; जैसे

- नेहा पढ़ रही है।
- वह सो रही है।

(iii) संदिग्ध वर्तमान काल - क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान काल में होने में संदेह का बोध हो, वह संदिग्ध वर्तमान काल कहलाता है; जैसे

- नेहा आ रही होगी।
- परीक्षा परिणाम आ गया होगा।

भविष्यत् काल - क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में सामान्य ढंग से होने का पता चलता है, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे

- ओजस्व अपना जन्मदिन मनाएगा।
- राजा अपना गृह कार्य करेगा।

भविष्यत् काल के दो भेद होते हैं

- सामान्य भविष्यत् काल
- संभाव्य भविष्यत् काल

(i) सामान्य भविष्यत् काल - जहाँ साधारण रूप से क्रिया के भविष्यत् काल में होने या न होने का बोध हो। वह सामान्य भविष्यत् काल कहलाता है; जैसे

- अमर अखबार बेचेगा।
- हम खेलने जाएँगे।

(ii) संभाव्य भविष्यत् काल - क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में होने की संभावना का पता चलता है, उसे संभाव्य भविष्यत काल कहते हैं; जैसे

- शायद वह पास हो जाए।